तू ही मेरी दुनिया

तर्ज - सुरमई अँखियों में

तूही मेरी दुनिया , तेरा मेरा ,
एक अनुठा रिश्ता रे
लाडले तूही मेरी जान ,
तूही तो कुल की शान है
रहे साथ हम ओ रहे साथ
हर जनम हम रहे साथ
तूही मेरी दुनिया तेरा मेरा...

महक उठा घर आँगन मेरा
पाँव पड़ा जब से यहाँ तेरा जागी आशा ,
दूर हुई मेरी निराशा
पूरी हुई मेरी हर कमी , उम्मीदे ये तुझपे थमी
तूही मेरी दुनिया , तेरा मेरा ,
एक अनूठा रिश्ता रे

लाडले तूही मेरी जान ,
तूही तो कुल की शान है
रहे साथ हम ओ रहे साथ
हर जनम हम रहे साथ

युग युग जिये राज दुलारा
तुझपे ही वारु में जीवन सारा
इतना करना , के साथ तू माँ के रहना
मिनल की कहती जुबां , दिलबर माँ की दास्तां
तूही मेरी दुनिया , तेरा मेरा ,
एक अनूठा रिश्ता रे

लाडले तूही मेरी जान ,
तूही तो कुल की शान है
रहे साथ हम ओ रहे साथ
हर जनम हम रहे साथ

✍ दिलीप सिंह सिसोदिया

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18783/title/tu-hi-meri-duniya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |